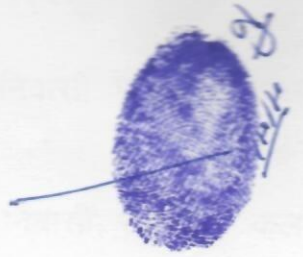


3
25/5/15
कमल कान्त उदित। विद्यार्थी
असकृत अनाकृत होने से
कमल 20/4/5/15 का पेश है।

256
34

जवाबली अल राज लख लोड अनाकृत।
इस्य के अंगीकार मु. रत्न लिया इला
में पेश हुई। वाही व सुलिवाही जला
अपस्थित परन्तु राजीनामा हेतु तैयार
नहीं होने से अडल केव बोरि में लिया
जाडा जवाबली का अचलोकुन लिया
गया। बाहीगन का उथन है कि मौजा।
राजसिमाहमां - 23-1 की जमावन्दी संवत्
2064 से 2067 के खाला संख्या 478
में दर्जित अंगीकार लिखा 86 कुल रुका
4-0350 है। अंगी के 1/2 हिस्से पर पक्षीगन
का अपने पिता के समय से अडल
अना आ रहा है अल सुलिडुल कुल
के आधार पर पक्षीगन 1/2 हिस्से की
होखला अरवागे के अक्षीधारी है हमने
जवाबली का अचलोकुन लिया गया। जवाबली
पर अचलोकुन मेका अ-दोखल की जमावन्दी
में भी वादग्रस्त अंगी जियाल सुलिवाहीगन
के कुल कुल अना केशा पिता अना
के नाम पर दर्ज थी। अक्षी वाहीगन का
उथन है कि वाहीगन के नाम अना
अना दर्ज करके उनके खाले अंगी दर्ज
है वाहीगन द्वारा सुलिडुल कुल के
आधार पर वह पेश किया है परन्तु
मौखिक उथन के अलावा पैसा कोई
सुखला सपुस था सपुस पेश नहीं की
जिसे यह स्पष्ट हो सके कि वादग्रस्त
अंगी के 1/2 हिस्से पर वाहीगन का
अना है। वाहीगन के नाम पर अना
संख्या 274 में दर्जित अंगी जियाल मु.



अक्षी

कमाना

अक्षी



अक्षी

से भी हर्ष है उस तथ्यो के आँहार पर
बाहीगल डा वाह ली. डा विद्या जना
उचित प्रतीत नही होता है भल उपयोग
विवेचन के आँहार पर बाहीगल डा
वाह साक्षित नही तथे जले से ~~बाह~~
खारिज विद्या जना है पत्रावली भिर्गे
सोडा संस्था से रहा है।

सिन्धु कुनाभा जथा।

सुप्रास्य **सिन्धी**
गोगुन्दा सिन्धी अयपुर

सेवनें.

कुना
५५-१
गोगुन्दा
६/१३